

उत्तर-पूर्व भारत का स्थानिक महत्व

डॉ. इयाहईया आलहुदा

सहायक प्रोफेसर

भू-विज्ञान विभाग

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

मेघालय



परिचय:

उत्तर-पूर्व

भारत, एक क्षेत्र जिसमें आठ राज्य (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा) शामिल हैं, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के संगम पर अपनी अद्वितीय भौगोलिक स्थिति के कारण अत्यधिक भू-रणनीतिक महत्व रखता है। प्रस्तुत शोध आलेख में इस क्षेत्र के स्थानीय लाभों और रणनीतिक निहितार्थों की जांच किया गया है।

भू-रणनीतिक कारक:

दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार: उत्तर-पूर्व भारत भारत को म्यांमार, थाईलैंड और उससे आगे जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण भूमि पुल के रूप में कार्य करता है। यह आसियान क्षेत्र के साथ आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को बढ़ावा देता है।

चीन और बांग्लादेश की सीमा: इस क्षेत्र की सीमा उत्तर में चीन (तिब्बत और भूटान) और दक्षिण पश्चिम में बांग्लादेश से लगती है। चीन से इस निकटता का द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्र में सुरक्षा गतिशीलता पर प्रभाव पड़ता है।

हिमालय पर्वतमाला: यह क्षेत्र उत्तर में पूर्वी हिमालय और पूर्व में पटकाई पहाड़ियों के बीच स्थित है। ये पर्वत श्रृंखलाएँ प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं और क्षेत्र के रणनीतिक परिदृश्य को आकार देती हैं।

भौगोलिक स्थिति:

उत्तर-पूर्व भारत की भौगोलिक स्थिति अत्यधिक सामरिक महत्व की है। यह क्षेत्र चीन, भूटान, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ साझा करता है, जो इसे दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाता है। यह अनूठी स्थिति व्यापार मार्गों और आर्थिक गलियारों के संभावित विकास की अनुमति देती है, जो क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दे सकती है और क्षेत्रीय एकीकरण में योगदान कर सकती है।

इसके अलावा, उत्तर-पूर्व भारत कई महत्वपूर्ण जलमार्गों का घर है, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी भी शामिल है, जो तिब्बत से निकलती है और बांग्लादेश में गंगा में विलय से पहले इस क्षेत्र से होकर बहती है। नदी सिंचाई, पनबिजली उत्पादन और परिवहन के लिए पानी के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में कार्य करती है। क्षेत्र की असंख्य नदियाँ और पर्वत श्रृंखलाएँ संभावित बाहरी खतरों के खिलाफ एक प्राकृतिक बाधा भी प्रदान करती हैं, जिससे इसका रणनीतिक मूल्य बढ़ता है।

प्राकृतिक संसाधन:

उत्तर-पूर्व भारत प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है, जिसमें तेल और प्राकृतिक गैस भंडार, खनिज और वन शामिल हैं। यह क्षेत्र भारत की जलविद्युत क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां कई बड़े बांध और परियोजनाएं चल रही हैं। इन संसाधनों का निष्कर्षण और निर्यात क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि और विकास में योगदान दे सकता है, साथ ही भारत की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत कर सकता है।

हालाँकि, इन संसाधनों का दोहन पर्यावरणीय चिंताओं और स्वदेशी समुदायों के अधिकारों के साथ संतुलित होना चाहिए। वनों की कटाई, खनन और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में हैं। इन संसाधनों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता और स्थानीय आबादी की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सतत विकास और संसाधन प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं।

सांस्कृतिक और राजनीतिक गतिशीलता:

उत्तर-पूर्व भारत एक विविध क्षेत्र है, जिसमें जातीय, भाषाई और धार्मिक समूहों की समृद्ध विविधता है। यह सांस्कृतिक पच्चीकारी अक्सर तनाव और संघर्ष का स्रोत रही है, क्योंकि विभिन्न समुदाय राजनीतिक शक्ति और संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस क्षेत्र में कई विद्रोह और अलगाववादी आंदोलन हुए हैं, जिसने इसके विकास और शेष भारत के साथ एकीकरण में बाधा उत्पन्न की है।

हालाँकि, उत्तर-पूर्व भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक गतिशीलता क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण के अवसर भी प्रस्तुत करती है। क्षेत्र का साझा इतिहास और सांस्कृतिक विरासत विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास और समझ बनाने की नींव के रूप में काम कर सकता है। इसके अलावा, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक पुल के रूप में क्षेत्र की अनूठी स्थिति विचारों, ज्ञान और संसाधनों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बना सकती है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और समृद्धि में योगदान कर सकती है।

सामाजिक-आर्थिक महत्व:

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध: उत्तर-पूर्वी भारत खनिज, वन और कृषि उत्पादों जैसे प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है। इन संसाधनों में आर्थिक विकास को चलाने और आबादी को आजीविका प्रदान करने की क्षमता है।

पर्यटन और कनेक्टिविटी: क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और जैव विविधता भारत और विदेशों से पर्यटकों को आकर्षित करती है। नए राजमार्गों और हवाई मार्गों के माध्यम से बेहतर कनेक्टिविटी ने पहुंच और पर्यटन क्षमता को बढ़ाया है।

व्यापार और वाणिज्य: उत्तर-पूर्व भारत दक्षिण पूर्व एशियाई देशों और चीन के साथ सीमा पार व्यापार का एक संभावित केंद्र है। भारत की पूर्व की ओर देखो नीति ने क्षेत्र के माध्यम से व्यापार और आर्थिक संबंधों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

रणनीतिक निहितार्थ

सुरक्षा संबंधी चिंताएँ: चीन से निकटता और कुछ राज्यों में विद्रोही आंदोलनों की उपस्थिति ने सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ा दी हैं। भारत ने अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं।

चीन की बेल्ट एंड रोड पहल: उत्तर-पूर्व भारत बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के प्रस्तावित चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे (सीएमईसी) के अंतर्गत आता है। इस बुनियादी ढांचा परियोजना का क्षेत्र की कनेक्टिविटी और रणनीतिक महत्व पर प्रभाव पड़ सकता है।

उप-क्षेत्रीय सहयोग: उत्तर-पूर्व भारत बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार (बीसीआईएम) आर्थिक गलियारे में एक प्रमुख भागीदार है, जिसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक एकीकरण और सहयोग को बढ़ावा देना है।

अवसर और चुनौतियाँ:

आर्थिक विकास: क्षेत्र के संसाधनों का दोहन और व्यापार बुनियादी ढांचे का विकास आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है और जीवन स्तर में सुधार कर सकता है।

सांस्कृतिक विविधता: उत्तर-पूर्व भारत में 200 से अधिक जातीय समूहों का घर है और अपनी सांस्कृतिक विविधता के लिए यह क्षेत्र प्रसिद्ध है। इस विविधता का लाभ पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए उठाया जा सकता है।

सुरक्षा खतरे: क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना और उग्रवाद के मुद्दों को संबोधित करना उत्तर-पूर्व भारत के विकास और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

बुनियादी ढांचा विकास: क्षेत्र के भीतर और पड़ोसी देशों के साथ सीमित सड़क और रेल कनेक्टिविटी आर्थिक विकास और एकीकरण में बाधा डालती है।

निष्कर्ष:

उत्तर-पूर्व भारत की अद्वितीय भौगोलिक स्थिति इसे दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार, भारत और चीन के बीच एक बफर जोन और व्यापार और वाणिज्य के लिए एक संभावित केंद्र के रूप में रणनीतिक महत्व प्रदान करती है। अपने स्थानीय लाभों का लाभ उठाकर और चुनौतियों का समाधान करके, क्षेत्र अपनी आर्थिक क्षमता को उजागर कर सकता है, सुरक्षा बढ़ा सकता है और अपने पड़ोसियों के साथ भारत के राजनीतिक और आर्थिक जुड़ाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।